मंगलवार
14 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

मुंह के बिगड़े स्वाद को ठीक करने के लिए आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

पृष्ठ 5

सैम मानेकशॉ के किरदार में खूब जमे विक्की कौशल

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 272
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मातृभाषा, मातृ संस्कृति और मातृभूमि ये तीनों सुखकारिणी देवियाँ स्थिर होकर हमारे हृदयासन पर विराजें।

– ऋग्वेद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ऑपरेशन सिलक्यारा टनल जारी, श्रमिक सुरक्षित

रेस्क्यू के बढ़ते समय ने बढ़ाई चिंता

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा टनल हादसे को 60 घंटे का समय बीत चुका है। रेस्क्यू ऑपरेशन का प्लान ए असफल हो जाने के बाद बचाव और राहत कार्यों में लगे विशेषज्ञों द्वारा अपने प्लान बी पर काम शुरू कर दिया गया है। जिसको पूरा होने में अभी 30 से 40 घंटे का समय लग सकता है। हालांकि प्रशासनिक दावों के अनुसार सुरंग में फंसे सभी 40 श्रमिकों के सुरक्षित होने की बात कही जा रही है लेकिन कुछ श्रमिकों की तबीयत बिगड़ने और उल्टी होने की खबर भी है जिनके लिए डॉक्टरों की टीमों द्वारा दवाई भी भिजवाई गई है।

●अब हयूम पाइप से श्रमिकों को निकालने की कोशिश
●श्रमिक की तबीयत बिगड़ने की खबर, दवाई भेजी

हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी टीमों द्वारा पहले सुरंग से मलवा निकालकर इन फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने या उनके बाहर आने का रास्ता बनाने की कोशिश की गई लेकिन लगातार पहाड़ से मलवा आने के कारण यह प्रयास सफल नहीं हो सका। इसके बाद रेस्क्यू के बी प्लान पर काम शुरू हुआ और ड्रिलिंग के जरिए फंसे हुए श्रमिकों तक 900 एमएम व्यास वाले लोहे के पाइप पहुंचकर उनके जरिए उन्हें बाहर निकलने पर काम किया जा रहा है।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

श्रमिकों के परिजन भी मौके पर पहुंचे

उत्तरकाशी। हादसे की खबर मिलने के बाद सुरंग में फंसे श्रमिकों के परिजनों का भी घटनास्थल पर पहुंचना शुरू हो गया। उत्तराखंड के गोवर्धन नेगी जो सुरंग में फंसे हुए हैं आज उनका बेटा और भाई दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। प्रशासन के अधिकारियों द्वारा ऑक्सीजन सप्लाई पाइप के जरिए उनकी बात गोवर्धन नेगी से कराई गयी। उनके बेटे का कहना है कि उनकी पापा से बात हुई है वह सुरक्षित है तथा सभी का हौसला बढ़ा रहे हैं उनका कहना है की चिंता मत करो हम एक-दो दिन में बाहर आ जाएंगे।

ड्रिल मशीन टूटी, काम आसान नहीं

उत्तरकाशी। पाइप ड्रिलिंग का काम भी कोई आसान काम नहीं है। आज जब इस काम को शुरू किया गया तो कुछ आगे बढ़ने पर एक पत्थर के रास्ते में आने से काम रुका इस पत्थर को तोड़ने की कोशिश में ड्रिल मशीन ही टूट गई इसके बाद दूसरी ड्रिल मशीन लाई गई दरअसल 50 मीटर सुरंग धसने से इस मलवे में कई बड़े पत्थर भी आ गए हैं जो काम में रुकावट डाल रहे हैं। वैसे भी एक मीटर पाइप 1 घंटे में ड्रिल किया जा सकता है जिससे इस ऑपरेशन को पूरा होने में 40-45 घंटे का समय लग सकता है।

गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

लोकेन्द्र सिंह बिष्ट

गंगोत्री। समुद्रतल से 3140 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माँ गँगा जी के आस्था विश्वास के धाम गंगोत्री के कपाट आज 14 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 1 मिनट पर विधिविधान मंत्रोच्चार के साथ शीतकाल के लिए बंद कर हुए।

आज मंगलवार को गंगा जी की उत्सव डोली भोगमूर्ति के साथ गंगोत्री से चलकर मुखवा गँगा मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी। 15 नवंबर को माँ गंगा जी की भोग मूर्ति मुखबा स्थित गँगा मंदिर में स्थापित की जाएगी। आज माँ गंगा जी का अभिषेक करने के साथ ही गंगालहरी, गंगा सहस्त्रनाम का पाठ किया गया। गंगोत्री मंदिर में श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन किए। माँ गँगा जी की उत्सव डोली को भारतीय सेना के सेना बैंड तथा स्थानीय ढोल-दमाऊं की अगुआई में हजारों संख्या में श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक यात्रा में हिस्सा लिया।

❑अब मुखबा में होंगे मां गंगा के दर्शन

आज भैरोंघाटी होते हुए रात्रि विश्राम के लिए माँ गँगा जी व चंडी देवी मंदिर पहुंचेगी। जहां सभी पुरोहित आज रात्रि विश्राम करेंगे। जबकि इसके बाद बुध वार सुबह गंगा जी की उत्सव डोली मुखबा गांव जायेगी। 27 को माँ गँगा जी उत्सव डोली मुखवा गांव के गँगा मंदिर पहुंचेगी। जहां माँ गँगा जी की भोग मूर्ती को स्थापित किया जाएगा। आने वाले शीतकालीन छः महीनो तक यहीं माँ गँगा जी के दर्शन होंगे।

चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों को ट्रैक्टर से कुचला, मौत

पटना। बिहार में अपराधियों के हौसले किस कदर बढ़ गए हैं, इसे जमुई में हुए दारोगा हत्याकांड से समझा जा सकता है। दरअसल, मंगलवार सुबह एक बालू माफिया ने सड़क पर चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों को ट्रैक्टर से कुचल दिया। वारदात में दारोगा की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक यह वारदात जमुई के गढ़ी थाना क्षेत्र के चनरवर पुल के पास हुई। दारोगा प्रभात रंजन सुबह 7 बजे अवैध बालू के परिवहन की सूचना मिली थी। जानकारी मिलने के बाद वह तुरंत अपनी टीम के साथ चनरवर पुल के नजदीक पहुंच गए और चेकिंग करने लगे। इस बीच सामने से एक ट्रैक्टर आया, जिस पर अवैध रूप से आ रही बालू लदी हुई थी। दारोगा प्रभात रंजन ने जब ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश की तो बालू माफिया उन्हें रौंदता हुआ आगे निकल गया। इस घटना में एक अन्य पुलिसकर्मी राजेश कुमार घायल हो गया है, जिसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। बता दें कि मूल रूप से वैशाली जिले के रहने वाले प्रभात रंजन 2018 बैच के सब इंस्पेक्टर थे।

कार व ट्रक की भिड़ंत में कार सवार 6 लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में मंगलवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। हाईवे पर कार और ट्रक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार समेत 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हरिद्वार जा रही दिल्ली नंबर की कार मुजफ्फरनगर में हाईवे पर एक 22 टायर ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। वहीं कार में ड्राइवर समेत 6 लोग सवार थे, जिनकी मौत हो गई। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को ट्रक के नीचे से निकाला और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे की वजह ओवर स्पीड बताई जा रही है। मृतक शाहदरा (दिल्ली) के रहने वाले थे और आपस में दोस्त थे। हादसे की सूचना मिलते ही उनके घरों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद की जो तस्वीरें सामने आई हैं वो बेहद खौफनाक है। घटना के बारे में सीओ सदर विनायक कुमार गौतम ने बताया कि सुबह 4 बजे के करीब मुजफ्फरनगर से हरिद्वार जाते हुए हाईवे पर कार एक ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। पूरी कार ट्रक के नीचे घुस गई थी। क्रेन की मदद उसे निकलवाया गया। सभी लोग मृत अवस्था में निकले थे। लेकिन फिर भी उन्हें जिला अस्पताल भिजवाकर चेकअप कराया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित किया तो उनके परिजनों को सूचना दी गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

अप्रत्याशित नहीं टनल दुर्घटना

यमुनोत्री हाइवे पर निर्माणाधीन टनल का बड़ा हिस्सा धसने से 40 मजदूरों की जान संकट में फंसी हुई है। टनल में फंसे इन श्रमिकों की जान बचाने के लिए आज तीसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। गनीमत इस बात की है कि अभी तक इन सभी के सुरक्षित होने की बात कहीं जा रही है लेकिन जब तक इन्हें बाहर नहीं निकाला जाता तब तक कुछ भी कहा जाना संभव नहीं है। सुरंग में फंसी इन जिंदगियों को बचाना ही अब सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह हादसा क्यों हुआ? इसके क्या कारण है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है अभी इन सवालों पर विचार करने का समय नहीं है लेकिन आये दिन पेश आने वाले इन हादसों के पीछे निर्माण कार्यों में बरती जाने वाली लापरवाही को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसा नहीं है कि यह सुरंग के निर्माण के समय होने वाला कोई पहला हादसा है। इससे पूर्व टिहरी, रैणी और शिवपुरी में भी इस तरह के हादसे पेश आ चुके हैं। अभी 3 महीने पहले ऋषिकेश-कर्ण प्रयाग रेलवे लाइन के लिए बनाई जा रही टनल में शिवपुरी के पास अतिवृष्टि से जल भराव के कारण 114 कर्मचारी और मजदूर फंस गए थे। बचाव राहत दल ने कई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद इन्हें बाहर निकाला था। इससे पहले रैणी ऋषि गंगा पर बनने वाली परियोजना की सुरंग के बाढ़ और गाद की चपेट में आने से 309 लोगों की जान चली गई थी। जिसमें से सिर्फ 105 लोगों के शव बरामद हो सके थे तथा 204 लोग अभी तक लापता है। वही 2004 में टिहरी में टनल 3 के ध स जाने से जो हादसा हुआ था उसमें 29 लोगों की जान चली गई थी। उत्तरकाशी में जो हादसा हुआ है उसके कारण क्या रहे यह आने वाले समय में ही पता चल सकेगा लेकिन प्रारंभिक दौर में अभी यही कहा जा रहा है कि जल्दबाजी में कच्चा लेंटर खोले जाने से यह हादसा हुआ है इसके संकेत मिलने कई दिन पूर्व से ही शुरू हो गए थे। भले ही विशेषज्ञों के पास इस समय कहने के लिए बहुत कुछ है वह पहाड़ की उस जमीन का पूर्व परीक्षण और सर्वे को जरूरी बता रहे हैं जहां भी इस तरह के कार्य होने हैं या हो रहे हैं। वही सुरंग निर्माण में विस्फोट के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं और मैनुअल तकनीक से काम करने की वकालत की जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि इन तमाम बातों पर पहले ध्यान क्यों नहीं दिया जाता है। सुरंग निर्माण के काम में नीचे ऑक्सीजन की लाइन डालना अनिवार्य है तो यहां ऑक्सीजन लाइन के पाइप क्यों हटा दिए गए अगर पानी की पाइपलाइन नहीं होती जिससे अब इन फंसे मजदूर तक ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही है तो अब तक इन मजदूरों की जान जा चुकी होती। सुरंग निर्माण जैसे अति संवेदनशील कामों में क्या इस तरह की लापरवाही बरती जानी चाहिए? एक मजदूर जो दुर्घटना से चंद मिनट पहले ही बाहर आया उसका कहना है कि सुंरग धंसने के संकेत कई दिन पहले से मिल रहे थे फिर ऐसी स्थिति में भी काम का जारी रखा जाना उचित था? अनेक सवाल है जिन पर आने वाले समय में चर्चा जरूर होगी। हिमालय और प्रकृति की अति संवेदनशीलता की बातें तो बहुत की जाती है लेकिन उसकी सुरक्षा और संवेदना के अनुकूल काम कोई नहीं किया जाता, यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। पहाड़ में अनियोजित तरीके से विकास की जो पटकथा वर्तमान में लिखने का काम किया जा रहा है वह वास्तव में पहाड़ व प्रकृति के विनाश का कारण बन रहा है। जोशीमठ की भू धसांव की घटना इसका प्रत्यक्ष और ताजा उदाहरण है। अगर इस विनाश और दुर्घटनाओं को रोकना है तो इस पर नए सिरे से चिंतन मंथन भी जरूरी है।

प्रथम प्रधानमंत्री को उनकी जयंती पर किया याद

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू को उनकी जयंती पर याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पण्डित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर उन्हें कचहरी स्थित नेहरू वार्ड जो कि पुरानी जेल में स्थित है पर जाकर उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी न` कहा कि हमें पंडित नेहरू के बताए मार्ग पर चलकर देश और प्रदेश की जनता की निस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य उन सभी आंदोलनकारी और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए उन्हें याद करना व उनको कभी नहीं भूलना है जिन्होंने देश के लिए कुर्बानी दी। इस मौके पर प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमानी, सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, अतुल शर्मा, पारस यादव, आदि लोग उपस्थित थे।

आ प्यायस्व समेतु ते विश्वतः सोम वृष्ण्यम्।
भवा वाजस्य संगथे॥

(ऋग्वेद ९-३१-४)

हे आनंद के सोम ! हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि हमें चहूंमुखी उन्नति प्रदान करें। हमारे जीवन के युद्ध में सदैव हमारे साथ रहे और सुख और समृद्धि की हमारे ऊपर वर्षा करें।

उत्तरकाशी में बचाव व राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी

संवाददाता

देहरादून। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में टनल में फंसे लोगों को बचाने के लिए युद्धस्तर पर बचाव व राहत कार्य जारी है।

जनपद उत्तरकाशी के यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरासू एवं बड़कोट के मध्य सिल्क्यारा के समीप निर्माणाधीन लगभग 4531 मी. लम्बी सुरंग जिसका कि सिल्क्यारा की तरफ से 2340 मी. तथा बड़कोट की तरफ से 1600 मी. निर्माण हो चुका है, में 12 नवम्बर, 2023 की प्रात: 08:45 पर सिल्क्यारा की तरफ से लगभग 270 मीटर अन्दर लगभग 30 मीटर क्षेत्र में ऊपर से मलबा सुरंग में गिरने के कारण 40 व्यक्ति फँस गये थे। कार्यदायी संस्था एन एच. आई.डी. सी. एल. द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार फँसे हुये व्यक्तियों में से 02 उत्तराखण्ड के 01 हिमाचल, 04 बिहार के 03 पश्चिम बंगाल के 08 उत्तर प्रदेश के, 05 उड़ीसा के, 15 झारखण्ड के एवं 02 असम के हैं। सुरंग के अंदर कम्प्रेशर के माध्यम से निरन्तरता में ऑक्सीजन प्रवाहित की जा रही है और दबाव युक्त हवा के साथ भोजन सामग्री के छोटे-छोटे पैकेट भी फंसे हुये व्यक्तियों तक पहुँचाये जा रहे हैं। फँसे हुये व्यक्तियों के साथ वॉकी-टॉकी के माध्यम से बातचीत की जा रही है और प्राप्त सूचना के अनुसार सभी व्यक्ति सुरक्षित हैं। सम्बन्धित विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर एन.एच.ए.आई., आर. बी. एन.एल., एन. एच.सी.एल., एल एण्ड टी, टी.एच.डी.सी., बी.आर. ओ. एवं एन.एच.आई.डी.सी.एल. के स्तर से उपलब्ध करवाये गये तकनीकी एवं अन्य उपकरणों व संसाधनों के द्वारा सुरंग के अन्दर आये मलबे को युद्ध स्तर

पर हटाये जाने का कार्य किया जा रहा है तथा साथ-साथ सुरंग की दीवार पर शॉर्ट क्रीटिंग का कार्य भी किया जा रहा है। इसके साथ ही उपस्थित विशेषज्ञों के परामर्श पर फँसे हुये मजदूरों तक पहुँचने के लिये मलबा हटाकर सेटरिंग प्लेट लगा कर उन्हें निकालने के लिये सुरक्षित मार्ग तैयार किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं, परन्तु सुरंग के ऊपरी भाग से आ रहे मलबे के कारण इस कार्य में बाधा पहुँच रही है। फँसे हुये व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने के लिये विशेषज्ञों के द्वारा 900 मि.मी. के एमएस स्टील पाइप को मलबे के आर-पार स्थापित किये जाने का परामर्श दिया गया है।

वांछित संख्या में एमएस स्टील पाईप घटना स्थल पर पहुंच चुके हैं, जिन्हें सुरंग के अंदर स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है और साथ ही एमएस स्टील पाईप की स्थापना हेतु सिंचाई विभाग के 05 विशेषज्ञ अभियन्ताओं के दल भी देहरादून से घटनास्थल पर पहुंच गया है। आर.बी.एन.एल. द्वारा भेजी गई आर.ओ.सी. मशीन घटना स्थल पर पहुंच चुकी है। घटनास्थल पर स्टेजिंग एरिया बनाया गया है, जहाँ पर वॉर्टिकल ड्रिल मशीन, हॉरिजोण्टल ड्रिल मशीन व शॉर्टक्रीट मशीन उपलब्ध हैं, साथ ही सुरंग के बाहर 03 पोकलैण्ड, 02 जेसीबी, 06 ट्रक, 01 हाईड्रा, 02 लोडर तैनात हैं तथा सुरंग के अन्दर 04 पोकलैण्ड, 03 शॉर्टक्रीटिंग मशीन 02 बूमर, 02 हाईड्रा व 02 ट्रक कार्य कर रहे हैं। खोज-बचाव कार्यों हेतु पुलिस, एन.डी.आर.एफ., एस. डी. आर. एफ., आई.टी.बी.पी., सीमा सड़क संगठन, स्वास्थ्य विभाग व त्वरित कार्यवाही दल के सदस्यों सहित कुल 160 राहतकर्मी घटनास्थल पर तैनात किये गये हैं। त्वरित कार्यवाही के दृष्टिगत घटनास्थल से 05 कि.मी. की दूरी पर स्थापना के पास अस्थायी हेलीपेड का निर्माण किया गया है तथा चिन्यालीसौड़ हैलीपेड को भी राहत कार्यों हेतु चिह्नित किया गया है। सुरंग में फँसे हुये व्यक्तियों के परिजनों की सुविधा तथा उनकी आशकाओं के निवारण एवं उन्हें स्थिति की सही जानकारी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जनपद प्रशासन के द्वारा इस घटना विशेष के लिये हेल्पलाइन की व्यवस्था की गयी है। सुरंग से व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने के उपरान्त उन्हें तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करवाये जाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की टीमें विशेषज्ञ व उचित औषधि उपकरण, एम्बुलेंस सहित टनल गेट पर तैनात की गयी है। किसी भी विपरीत परिस्थिति में कार्यवाही हेतु निकटवर्ती जनपदों के चिकित्सालयों के साथ ही एम्स ऋषिकेश को हाई एलर्ट पर रखा गया है तथा ऑक्सीजन की निर्वाध आपूर्ति हेतु पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेण्डरों का भण्डारण किया गया है।

कानून व्यवस्था पर सवाल खडे करते हुए कांग्रेस ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजधानी की कानून व्यवस्था पर सवाल खडे करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि राज्य की राजधानी और राजधानी के केंद्रीय क्षेत्र में जहाँ महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान अवस्थित हैं, तथा राज्य की स्थापना दिवस के दिन और जिस दिन देश की राष्ट्रपति भी शहर में थीं, ऐसी डकैती की घटना स्पष्ट संकेत है कि भाजपा सरकार के राज में न कानून व्यवस्था ठीक है न शासन- प्रशासन।

मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि राज्य में इन्वेस्टर समिट कराने जा रहे हैं, क्या डकैती की ऐसी घटना से वो निवेशकों को संदेश दे रहे हैं ? छह दिन बाद भी पुलिस चोरों को पकड़ना तो दूर, उनके बारे में कुछ पता तक नहीं कर पाई है।

विगत महीनों में पहले तो देहरादून शहर नें डेंगू की विकराल समस्या झेली। कई लोगों की असामयिक मृत्यु हुई। सरकार केवल डेंगू से हुई जनहानि को छुपाने में लगी रही। उसके बाद रजिस्ट्री घोटाले सामने आए और अब इतनी बड़ी डकैती का मामला, तो ऐसे में सरकारी तन्त्र की प्रभावी मौजूदगी कहीं नहीं दिखती और लोगों को उनके हाल पे छोड़ दिया गया है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत प्रदेश ,महामंत्री मनीष नागपाल, श्रीमती उर्मिला थापा, अभिषेक तिवारी, राजेश उनियाल ,विकास पुंडीर ,लकी राणा , सावित्री थापा ,पूनम कंडारी, आलोक मेहता, कासिर्फ जैदी, ललित बदरी, राजेश पुंडीर, मुकीम अहमद, जितेंद्र तनेजा, अनुराग गुप्ता, अल्ताफ अहमद, आदर्श सूद, वीरेंद्र पवार थापा, महबूब, उदय सिंह रावत, नरेश बांगवाल, रोहित शर्मा, मुकेश सिंह, संजय गौतम, अशोक कुमार, बिजेंदर चौहान, प्रेम सिंह, शाहनवाज, प्रवीण भारद्वाज, महताब आलम आदि उपस्थित थे।

महिलाओं को दिन में कितना पानी पीना चाहिए

प्रेगनेंसी ही नहीं बल्कि इसके बाद भी महिलाओं को स्तनपान के लिए अपने आहार का ध्यान रखना पडता है। स्तनपान करवाने वाली महिलाओं के स्तनों में साढे सात सौ मिली दूध बनता है। इसलिए इन महिलाओं को अपने शरीर में पानी की कमी से बचने के लिए पर्याप्त पानी पीना चाहिए लेकिन कितना पर्याप्त होता है?

स्तनपान के दौरान कितना पानी पीना चाहिए

यूरोपियन फूड सेफटी अथॉरिटी के अनुसार स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को रोजाना की निर्धारित मात्रा से 7०० मिली अधिक पानी पीना चाहिए। आमतौर पर महिलाओं को दिन में 11.5 कप पानी पीना चाहिए। ऐसे में स्तनपान करवाने वाली मांओं को 11.5 कप से अधिक पानी पीने की जरूरत होती है। आप हर बार दूध पिलाने से पहले और बाद में एक गिलास पानी पिएं।

कैसे पहचानें पानी की कमी

आप अपने पेशाब के रंग से भी पानी की कमी की पहचान कर सकती हैं। शरीर के हाइड्रेट रहने पर पेशाब का रंग पीला होता है लेकिन अपर्याप्त पानी होने पर पेशाब का रंग गहरा पीला आता है।

एक से ज्यादा बच्चों को दूध पिलाने पर महिलाओं को अपने पानी पीने की मात्रा में भी इजाफा कर देना चाहिए।

डिहाइड्रेशन के लक्षण

पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने पर शरीर कुछ संकेत देता है। स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को अगर निम्न संकेत मिल रहे हैं तो इसका मतलब है कि आपके शरीर में पानी की कमी हो रही है =

*पेशाब ज्यादा पीला आना
*थकान
*चिडचिडापन
*रूखी और फटी त्वचा
*कब्ज
*डप्रेशन

शिशु के लिए पोषण का एकमात्र स्त्रोत मां का दूध ही होता है। ब्रेस्ट मिल्क में शिशु के विकास के लिए जरूरी सभी पोषक तत्व होते हैं। ब्रेस्ट मिल्क में लगभग 9० फीसदी पानी होता है इसलिए हर बार दूध पिलाने पर शरीर में काफी मात्रा में तरल पदार्थों की कमी हो जाती है।

इसलिए स्तनपान करवाने के दौरान अधिक पानी पीना जरूरी होता है।

कैसे दूर करें पानी की कमी

अगर आप शिशु को दूध पिलाती हैं और अपने शरीर में पानी की कमी से बचना चाहती हैं तो सोडा, कैफीन, चाय और शराब न पिएं। ये पेय पदार्थ शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकते हैं।

चीनी या मीठा अधिक खाने से शरीर में पानी के अवशोषण में दिक्कत आती है इसलिए स्तनपान के दौरान फलों का रस न पिएं।

डिहाइड्रेशन से बचने के लिए पानी पीने का अपना रोज का टारगेट बनाएं और एक दिन में उतना पानी जरूर पिएं।

पानी में आप पुदीने की पत्तियां, स्ट्रॉबेरी, नींबू या खीरा डालकर भी पी सकती हैं। घर से बाहर निकलते समय हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। अपनी डायट में ऐसी चीजों को शामिल करें जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है।

स्तनपान के समय शरीर का हाइड्रेट रहना जरूरी है और इससे महिलाओं को कई तरह के लाभ भी मिलते हैं। इस समय में पर्याप्त पानी पीने से न केवल महिलाओं को फायदा होता है बल्कि ब्रेस्ट मिल्क के जरिए शिशु के विकास में भी काफी मदद मिलती है।

भूखे पेट ना करें ब्रेड और बर्गर का सेवन, होती है ये खतरनाक बीमारीयाँ

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सभी का एक मात्र आहार ब्रेड हो गया है। यह हर घरों का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। लोग इसके इतने आदी हो चुके हैं कि सुबह के नाश्ते में इसका उपयोग करना ही अपनी शान समझने लगे हैं। अक्सर देखा जाता है कि इसका सेवन बीमार व्यक्तियों को ज्यादा कराया जाता है।

ब्रेड से होने वाली बीमारियां

अल्सर का खतरा: इससे कब्जियत की शिकायत होने से पेट में दर्द रहता है और यही रोग धीरे-धीरे बढ़कर अमाशय में छेद कर अल्सर जैसी बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हार्ट के लिये खतरनाक: ब्रेड में काफी मात्रा का सोडियम मिलाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर की गति को तेज कर हार्ट की बीमारी को बढ़ावा देने का काम करता है। इससे अटैक आने के खतरे बढ़ जाते हैं।

लीवर डैमेज: ब्रेड मैदे से बनती है। इसे पचाने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इसके अलावा इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स हमारे लीवर को कमजोर उसे खत्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ता।

पोषक तत्वों का अभाव: रोज अपनी दिनचर्या की शुरूआत ब्रेड से करने से आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है, जिससे शरीर काफी कमजोर हो जाता है।

वजन का बढ़ना: ब्रेड में कार्बोहाइट्रेड की मात्रा भरपूर पाई जाती है। जो हमारे शरीर में फैट्स को बढ़ाने का काम करती है। इससे शरीर का वजन बढ़ने लगता है जो कि आपके शरीर का लिये खतरा बन सकता है।

हॉलीडे में रखें अपने वजन का ख्याल

हॉलीडे के मौके पर यह आशंका बनी रहती है कि खानपान के मामले में हम ज्यादा लापरवाही बरतते है और इस दौरान वजन बढ़ जाता है। लेकिन कोई परेशानी की बात नहीं आप इन पांच उपायों को अपनाकर अपने वजन को बढ़ने से रोक सकते है।

खाने की मॉनिटरिंग

इस दौरान आपको यह याद रखना चाहिए कि आपने क्या-क्या खाया। अगर आप याद नहीं रख पाते तो इसे लिखने की आदत डाल ले। इस तरह से आप खुद के खानेपीने को मॉनिटरिंग कर पाएंगे जो आपके वजन को नियंत्रित करने में सहायक होगी।

खानपान का नियंत्रण

इस दौरान आपको स्वाद के चक्कर में कुछ भी खानेपीने से बचना चाहिए। आप अपनी रूचि के मुताबिक वैसे ही खान-पान के पदार्थों का चुनाव करे जो फैट नहीं बढ़ाते हो। अगर आप अपनी पसंद का कोई डिश खाना चाहते हैं तो इसके लिए आप खुद से इजाजत ले और आराम से चबा-चबाकर खाए। आप उसका पूरा स्वाद ले और खाने में जल्दबाजी नहीं करे।

ब्लड सुगर को लेकर रहिए सावधान

इस दौरान खानपान के साथ आपको अपने ब्लड सुगर की मात्रा की भी जांच करते रहनी चाहिए। आपको खानपान की उन चीजों से बचना होगा जो आपके ब्लड सुगर को बढ़ाते हो। इसके लिए आपको पहले से प्लानिंग करने के साथ उन चीजों की भी जानकारी होनी चाहिए जिन फूड्स को खाने से ब्लड में सुगर की मात्रा बढ़ जाती है।

शारीरिक तौर पर सक्रिय रहे

हॉलीडे के मौके पर भी आपको शॉपिंग, बैंकिंग और पार्टीज के साथ कसरत भी जारी रखनी चाहिए। आपको इस दौरान अपनी शारीरिक गतिविधियों को विराम नहीं लगाए। ऐसा करने से आपके शरीर में फैट बर्न होने की बजाय बनने लगेगा। इसलिए शारीरिक रूप से आपको सक्रिय रहना चाहिए।

पूरी नींद ले

नींद का सेहत से गहरा संबंध होता है। वीकेंड या हॉलीडे के मौके पर नींद से खिलवाड़ हर्गिज नहीं करे। नींद पूरी ले क्योंकि पूरी नींद लेने से आपकी तंदुरुस्ती बनी रहती है। बेहतर नींद के तौर-तरीकों में सुधार के लिए आप डीप स्लीप नाम के एप्प को भी डाउनलोड कर उसकी मदद ले सकते है। यह ऐप आपको रिलैक्स करने और बेहतर नींद के लिहाज से मददगार साबित हो सकता है।

टैटू बनवाने से पहले बरतें सावधानियां

टैटू या कहे गोदना, इसे बनवाने की परंपरा बहुत पुरानी है। पहले की औरतें अपने पति के नाम गुदवाती थी। उस समय में इसे गोदना नाम दिया गया था। शादी के बाद उस वक्त ज्यादातर महिलाएं इसे अपने हाथ, पैर, चेहरे, बाजू ऐसी जगहों पर बनवाते थी, लेकिन वक्त के साथ इसमें भी बहुत चेंज या आया है।

टैटू से कई तरह के संक्रमण का खतरा होता है। इससे हेपेटाइटिस, एचआईवी, ग्रैनूलोमस और केल्यॉड जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। एचआईवी और हेपेटाइटीस ए,बी,सी खून के संक्रमण से होने वाली बीमारियां हैं जो टैटू की एक ही सुई के कई लोगों पर बार-बार इस्तेमाल होने से हो सकते हैं।

हमेशा अच्छे आर्टिस्ट से ही टैटू बनवाएं। आजकल छोटे और लो कॉस्ट आर्टिस्ट चाइनीज इंक का इस्तेमाल कर टैटू बनवाते हैं लोग सस्ते के चक्कर में चले जाते हैं जो काफी खतरनाक है। इससे बचने के लिए हमेशा अच्छे आर्टिस्ट से टैटू बनवाना चाहिए।

जब भी टैटू बनवाएं उससे पहले लोगों को हेपेटाइटिस बी का टीका लगवा लेना चाहिए। इसके अलावा आपको किसी स्पेशलिस्ट से ही टैटू बनवाना चाहिए, जो इस काम में माहिर हो। स्पेशलिस्ट उपकरण और साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखते हैं। जिस जगह पर टैटू बनवाएं वहां पर रोजाना एंटीबायोटिक क्रीम जरूर लगाते रहना चाहिए। कुछ लोगों का कहना है कि जो फैशन, स्टाइल के लिए टैटू बनवाते हैं, उन्हें अस्थायी टैटू ही बनवाना चाहिए। ये त्वचा को कभी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं और इसे आप अपने मूड के मुताबिक बदल भी सकते हैं।

घरेलू नुस्खों से पाएं कान दर्द से निजात

मौसम बदलने पर सर्द हवाओं के चलने से कानों में अक्सर दर्द शुरू हो जाता है। वहीं एक कारण यह भी की कान में मैल जमने या फुंसी-सूजन होने, पानी चले जाने, किसी त्वचा रोग के दब जाने आदि कारणें से दर्द होने लगता है। कान का दर्द रह-रह कर उठता है, जिससे रोगी परेशान हो जाता है। कान के सभी रोगों से छुटकारा पाने के लिए घरेलू उपाय-

जब कान में सांय-सांय की होने वाली आवाज गुनगुने बादाम के तेल की कुछ बूंदें डालने पर दूर हो जाती है।

कान दर्द में तुलसी के पत्तों का रस गरम करके डालें।

प्याज को पीस कर मलमल के कपडे से निचोड कर रस निकालें और प्याज के रस को थोडा गरम करके उसकी सहने लायक 2-3 बूंदें कान में डालें। काम में किसी भी तरह का दर्द हो,

तो इससे राहत मिलती है। इससे ऊंचा सुनना, काम में भिनभिनाहट तथा सांय-सांय की आवाज और कान का बहना और व्याधियों में भी लाभ होता है।

कान बहता हो, तो नीम की पत्तियां और लहसुन को समभाग में ले कर पीसें और रस निचोड कर गुनगुना करें। दो बूंद रात को सोने से पहले कुछ दिन तक डालने से कान का घाव और काम का बहना ठीक हो जाता है।

देश छोडऩे की होड़

अति धनी और साधन विहीन दोनों तरह के लोगों का भारत से भरोसा क्यों टूट रहा है? उन्हें अपने लिए यहां बेहतर अवसर क्यों नजर नहीं आते? विडंबना ही है कि ऐसा अमृत काल में हो रहा है!

इस खबर पर शर्म का अहसास होना लाजिमी है कि अमेरिका में अवैध रूप से घुसने के दौरान पकड़े जाने वाले भारतीयों की संख्या में पांच गुना तक उछाल आया है। जाहिर है, अनेक ऐसे लोग अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर जाते होंगे। यानी भारत से इस रूप में अमेरिका जाकर बसने की कोशिश करने वाले लोगों की संख्या असल में उससे कहीं ज्यादा है, जितनी अभी आधिकारिक तौर पर बताई गई है। अमेरिका के कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक एक साल में 96,917 भारतीय नागरिकों को अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करते पकड़ा गया।

यह आंकड़ा अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच की अवधि का है। आंकड़ों के मुताबिक यह एक नया रिकॉर्ड है और तीन साल पहले के आंकड़ों में पांच गुना उछाल है। 2019-20 में ऐसे लोगों की संख्या सिर्फ 19,883 थी। ताजा मामलों में 41,770 भारतीय मेक्सिको की सीमा से पकड़े गए और 30,010 कनाडा की सीमा से। बाकी लोगों को अमेरिका में घुसने के बाद पकड़ा गया। अनुमान लगाया जा सकता है कि इस रूप में जिन लोगों ने अमेरिका जाने की कोशिश की, वे साधन संपन्न नहीं होंगे। वरना, वे वीजा लेकर वहां जाते।

अमेरिका की एक योजना के मुताबिक ढाई लाख डॉलर का निवेश की योजना रखने वाले लोगों को वहां स्थायी निवास का वीजा तुरंत मिल रहा है। हाल में आई खबरों के मुताबिक भारत के उच्च आय वर्ग के लोगों (सालाना आमदनी दस लाख डॉलर) के भी भारत की नागरिकता छोडऩे की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। ऐसे अधिकांश लोग विकसित देशों में जाकर बसते हैं, हालांकि उनमें से कुछ लोग उन देशों की नागरिकता भी लेते हैं, जिन्हें टैक्स हैवन (कर चोरी के अड्डे) कहा जाता है। तो प्रश्न है कि अति धनी और साधन विहीन दोनों तरह के लोगों का भारत से भरोसा क्यों टूट रहा है? उन्हें अपने लिए यहां बेहतर अवसर क्यों नजर नहीं आते? विडंबना ही है कि ऐसा अमृत काल में हो रहा है, जब 25 साल के अंदर विकसित देश बनने की यात्रा शुरू हो चुकी है!(आरएनएस)

भारत की दो हकीकतें

भोजन और आवास के लिए रोजमर्रा का संघर्ष करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन सरकार और संस्थाओं में लोगों का यकीन मजबूत होता गया है। गैलप वर्ल्ड की ताजा रिपोर्ट से भारत के इस अंतर्विरोध पर रोशनी पड़ी है।

भारतीय समाज की इस समय दो हकीकतें हैं। बहुसंख्यक आबादी की जिंदगी अधिक संघर्षपूर्ण होती गई है, मगर उसी समय लोगों में भविष्य बेहतर होने का भरोसा मजबूत होता गया है। भोजन और आवास के लिए रोजमर्रा का संघर्ष करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन सरकार और संस्थाओं में लोगों का यकीन मजबूत होता गया है। गैलप वर्ल्ड दुनिया की भरोसेमंद सर्वे एजेंसी है। वह हर साल अलग-अलग देशों के बारे में अपनी रिपोर्ट जारी करती है। भारत में 2022 में किए गए सर्वे की रिपोर्ट कुछ समय पहले जारी हुई है। इसके जो निष्कर्ष हैं, उन्हें दो श्रेणियों में रखा जा सकता है।

पहली श्रेणी के निष्कर्ष हैं- युवाओं का अपने बेहतर भविष्य में भरोसा मजबूत हुआ है, ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि उनके बच्चों के अवसर बेहतर हुए हैं, शिक्षा को लेकर संतोष में वृद्धि हुई है, बहुसंख्या यह मानती है कि नौकरी पाने के लिहाज से यह अच्छा समय है, उपलब्ध वायु और जल की गुणवत्ता से संतुष्ट लोगों की संख्या बढ़ी है, और साल भर पहले की तुलना में वित्तीय संस्थानों में भरोसा रखने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। अब दूसरे निष्कर्षों पर गौर करें- हर दस में चार व्यक्ति ने कहा कि (2022 में) उसे रोजमर्रा के भोजन के लिए ज्यादा जद्दोजहद करनी पड़ी, और ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी जिन्हें लगता है कि आवास उनकी पहुंच से और दूर हो गया है। गैलप सर्वे के इस अंतर्विरोध का विश्लेषण करते हुए तीन अर्थशास्त्रियों ने एक अखबार में लिखा- 'सत्ताधारी एनडीए में लोगों का ऊंचा भरोसा बना हुआ है। हिंदुत्व, अति केंद्रीकरण, और व्यक्ति पूजा की बढ़ी संस्कृति इसके पीछे प्रेरक तत्व हैं। लेकिन हम अपने विश्लेषण से इस निष्कर्ष पर हैं कि दरअसल, एनडीए में ऊंचा भरोसा भोजन और आवास की स्थिति बिगडऩे का एक कारण है।' दरअसल, जिस समय चुनाव आयोग से लेकर न्यायपालिका तक और आम जांच एजेंसियों से लेकर सेबी तक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे हों, संस्थाओं में भरोसा बढऩा एक विडंबना ही है। मगर भारत इस समय ऐसे ही अंतर्विरोध में जी रहा है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

मुंह के बिगड़े स्वाद को ठीक करने के लिए आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

मुंह का स्वाद बिगड़ जाए तो इसके कारण कुछ भी खाने का मन नहीं करता। इसके अतिरिक्त इससे जी-मचलाना और उलटी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैंखराब दंत स्वच्छता, संक्रमण, नींद और यहां तक कि लहसुन जैसे खाद्य पदार्थ खाने से भी मुंह का स्वाद बिगड़ सकता है।आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें आप मुंह के खराब स्वाद से छुटकारा पाने के लिए आजमा सकते हैं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका अम्लीय होता है। यह मुंह के पीएच स्तर को संतुलित करके मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। यह उपाय लार के उत्पादन को भी बढ़ाता है, जो मुंह के बिगड़े स्वाद को ठीक करने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए आधे गिलास गुनगुने पानी में एक बड़ी चम्मच सेब का सिरका डालें, फिर इसमें थोड़ा शहद मिलाकर इसका सेवन करें।जब तक समस्या दूर न हो जाए तब तक इसे रोजाना सेवन करें।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा की क्षारीय प्रकृति मुंह के पीएच को सुधारने में मदद कर सकती है। इसके एक्सफोलिएटिंग गुण जीभ और दांतों पर जमे प्लाक से छुटकारा दिलाने में भी मदद कर सकते हैं।इस प्रकार यह मुंह के बिगड़े स्वाद को ठीक करने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए 1 चम्मच बेकिंग सोडा में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। फिर इस पेस्ट का इस्तेमाल अपने दांतों को ब्रश करने के लिए करें।

ऑयल पुलिंग

ऑयल पुलिंग प्लाक को हटाने में मदद कर सकती है और विभिन्न मौखिक स्थितियों जैसे ओरल थ्रश, सांसों की दुर्गंध और मसूड़े की सूजन आदि को दूर कर सकती है, जो मुंह में खराब स्वाद का कारण बन सकती हैं।लाभ के लिए 1 बड़ी चम्मच नारियल या तिल का तेल लें और इसे अपने मुंह में लगभग 10 से 15 मिनट तक घुमाएं। इसके बाद तेल को थूकें और दांतों को सामान्य रूप से ब्रश करें।

नमक के पानी से गरारे

नमक में एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं, जो मौखिक बैक्टीरिया के निर्माण को रोक सकते हैं। साथ ही नियमित रूप से नमक के पानी से गरारे करने से मुंह का खराब स्वाद और गंध को खत्म करने में भी मदद मिल सकती है।लाभ के लिए 1 गिलास गुनगुने पानी में 1 चम्मच नमक डालकर उसे अच्छी तरह मिलाएं, फिर इस घोल का इस्तेमाल अपना मुंह को साफ करने के लिए करें।

एलोवेरा का जूस

एलोवेरा जूस में एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेरी गतिविधियां होती हैं, जो मौखिक संक्रमण को ठीक कर सकती हैं और ऐसी मौखिक समस्याओं के कारण होने वाले खराब स्वाद और गंध का इलाज कर सकती हैं।लाभ के लिए 1 चम्मच ताजा एलोवेरा जूस लें और इसे अपने मुंह में लगभग 5 मिनट तक घुमाएं, फिर इसे थूक दें। इसके अलावा आप चाहें तो आधा कप एलोवेरा जूस पी भी सकते हैं।यहां जानिए एलोवेरा जूस के फायदे।

शब्द सामर्थ्य -087

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरेया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

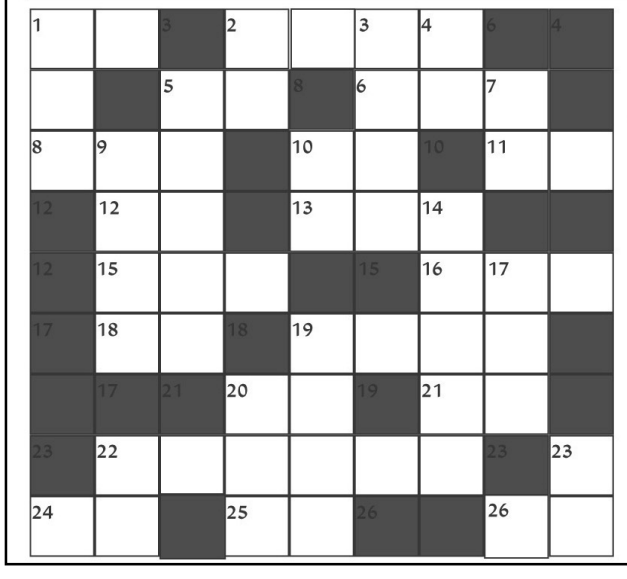

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 86 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

फर्रे का गाना जारी, बादशाह और आस्था गिल ने दी आवाज

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। इन दिनों वह अपनी पहली फिल्म फर्रे को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इसका निर्माण सलमान अपने प्रोडक्शन हाउस सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले कर रहे हैं।अब फर्रे का पहला गाना घर पे पार्टी है रिलीज हो चुका है, जिसे रैपर बादशाह, आस्था गिल, मेलो डी और सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है।इस गाने के बोल जिगर सरैया ने लिखे हैं।

सलमान ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घर पे पार्टी है गाना साझा किया है, जिसमें अलीजेह अपनी गैंग के साथ जबरदस्त डांस करती नजर आ रही हैं।उन्होंने लिखा, इन शैतानों ने तो घर पे पार्टी शुरू कर ली।

गाने के बोल और म्यूजिक काफी शानदार है, जिसे सुनकर यकीनन आप भी थिरकने पर मजबूर हो जाएंगे। इतना ही नहीं घर पे पार्टी है सॉन्ग में सलमान खान की भांजी अलिजेह अग्निहोत्री के गजब के डांस मूव्स भी देखने को मिल रहे हैं।

ट्विटर पर सलमान खान ने इस गाने को शेयर कर कैप्शन में लिखा है- इन शैतानों ने तो घर पर ही पार्टी शुरू कर ली है। सलमान ने ये बात भांजी अलिजेह अग्निहोत्री और उनकी फिल्म फर्रे की अन्य स्टार कास्ट के लिए लिखी है, जो फिल्म के नए गाने में एक साथ नजर आ रहे हैं।

यह फिल्म 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अलीजेह के अलावा सौमेंद्र पाधी, साहिल मेहता, जेन शॉ, प्रसन्ना बिष्ट और रोनित बोस रॉय भी नजर आएंगे।फर्रे का निर्देशन सौमेन्द्र पाढ़ी द्वारा किया जा रहा है।

कमल हासन के फिल्म ठग लाइफ का नया पोस्टर जारी, दिखा दमदार अवतार

कमल हासन का नाम उन अभिनेताओं की सूची में शुमार है, जिन्होंने अपनी दमदार अदाकारी से करोड़ों दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है। कमल हासन ने अपने 69वां जन्मदिन के मौके पर उनके प्रशंसकों को बेहद खास तोहफा मिला है। दरअसल, कमल की आगामी फिल्म ठग लाइफ का नया पोस्टर सामने आ चुका है, जिसमें वह धांसू अवतार में दिखाई दे रहे हैं।इसके साथ निर्माताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

सामने आए पोस्टर में वह एक योद्धा के रूप में नजर आ रहे हैं।ठग लाइफ का निर्देशन मणिरत्नम द्वारा किया जा रहा है। इसमें दुलकर सलमान, जयम रवि, तृषा, अभिरामी और नासिर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।ठग लाइफ एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे निर्माता एक साथ कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

नायकन में काम करने के बाद कमल हासन और मणिरत्नम इस फिल्म के लिए दोबारा साथ काम करते नजर आएंगे। दावा किया जा रहा है कि यह एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म होगी।

मेकर्स ने नाम का एलान करने के लिए एक वीडियो साझा की थी जिसमें कमल हासन एक खराब से कपड़े में खुद को लपेटे हुए एक रेगिस्तान जैसी जगह में खड़े हैं। कुछ लोग उसका पीछा कर रहे हैं और उन्हें अभिनेता की तरफ आते देखा जा सकता है। इसके बाद कमल हासन का पूरा लुक दिखाया जाता है, जिसमें वह भारी मूंछें और दाढ़ी रखे नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म अगले साल के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा एक बार फिर हुई पोस्टपोन, अब अगले साल होगी रिलीज

सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं. उनकी फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. सिद्धार्थ की योद्धा की अनाउंसमेंट जब से हुई है तब से फैंस इसे देखने के लिए एक्साइटेड हैं लेकिन अब फैंस को थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा. ये फिल्म पहले 8 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसे पोस्टपोन कर दिया गया है. करण जौहर ने सोशल मीडिया पर फिल्म के पोस्टपोन होने की जानकारी दी है.

सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा पहले कैटरीना कैफ की मैरी क्रिसमस से क्लैश हो रही थी. कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की मैरी क्रिसमस 8 दिसंबर को रिलीज होने वाली है. क्लैश से बचने के लिए करण ने नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है.

करण जौहर ने फिल्म के दो नए पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर करके फिल्म की रिलीज डेट के बारे में जानकारी दी है. उन्होंने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- हम पूरी तरह तैयार हैं, पूरी शक्ति और शक्ति के साथ आसमान पर कब्ज़ा करने के लिए तैयार हैं!!!! योद्धा 15 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है. सिद्धार्थ ने भी ये ही पोस्टर शेयर किए हैं.

सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा पहले 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी. जिसके बाद इसे प्रीपोन किया गया था. जिसके बाद नई रिलीज डेट 8 दिसंबर थी. 8 दिसंबर को योद्धा कै मैरी क्रिसमस से क्लैश हो रहा था.

योद्धा की बात करें तो इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ दिशा पाटनी और राशि खन्ना लीड रोल में नजर आएंगी. ये एक एक्शन एंटरटेनमेंट फिल्म होने वाली है.

पिप्पा के लिए ईशान खट्टर ने असल टैंक पर की शूटिंग

ईशान खट्टर की फिल्म पिप्पा चर्चा में है। फिल्म की रिलीज काफी समय से अटकी हुई थी। आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म को सीधा ओटीटी पर जारी करने का फैसला लिया।फिल्म 10 नवंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी।पिप्पा 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी है। क्या आप जानते हैं कि पिप्पा इस युद्ध में इस्तेमाल हुए एक टैंक का नाम था? फिल्म की शूटिंग इसी टैंक के साथ की गई है।

निर्देशक राजा कृष्ण मेनन ने पिप्पा टैंक के बारे में बताया।फिल्म का नाम भारतीय सेना के टैंक पीटी-76 से लिया गया है। पीटी-76 को पिप्पा भी कहा जाता था। यह टैंक जमीन और पानी दोनों पर चलाया जा सकता था।सामान्य भाषा में इसे एक टिन के डब्बे की तरह समझ सकते हैं, जो पानी पर आसानी से तैर सकता है। इस टैंक ने बांग्लादेश की आजादी में अहम भूमिका निभाई थी।

मेनन ने कहा, हमें एक टैंक मिला था, जो असली पीटी-76 था। वह काम नहीं करता था। उसकी मरम्मत करने में 8 महीने लगे। उसे चालू हालत में किया गया। फिल्म का बड़ा हिस्सा इसी टैंक पर शूट किया गया था।असली टैंक के अलावा प्रोडक्शन टीम ने 6-7 महीने में उसके जैसे दिखने और तैरने वाले अन्य टैंक का निर्माण किया। बनाने के बाद उनकी जांच भी की गई थी।

ईशान ने बताया कि पानी पर तैरते असल टैंक पर शूटिंग करना यादगार अनुभव था। उन्होंने बताया कि आखिरी शॉट के दौरान ही यह टैंक खराब हो गया था।उन्होंने बताया, जब हमें आखिरी शॉट लेना था, यह खराब हो गया, इससे धुआं निकलने लगा। मैं इस टैंक पर 100 फीट गहरी झील के बीचों-बीच था। युद्ध में शामिल जवान, मंडाला साहब इसे चला रहे थे। उन्होंने कहा कि इसका तो हो गया। इसके बाद हमें वापस आना पड़ा।

पिप्पा की कहानी ब्रिगेडियर बलराम सिंह मेहता की किताब द बर्निंग चाफीज पर आधारित है, जिसमें 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध को दिखाया जाएगा।

नेहा मलिक की हॉटनेस देख घायल हुए यूजर्स

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक से इंटरनेट पर तबाही मचाती रहती हैं।

उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश लुक शेयर किया है। इन तस्वीरों में उनकी सेक्सी अदाएं देखकर फैंस का दिल मचल गया है. नेहा मलिक भले ही किसी टीवी सीरियल्स में नहीं दिखाई देती लेकिन आए दिन अपने सेक्सी लुक्स से फैंस के होश उड़ा देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। नेहा मलिक की ये तस्वीरें दुबई वेकेशन की हैं। बता दें कि एक्ट्रेस को घूमने-फिरने का काफी ज्यादा शौक है।

इन तस्वीरों में उनके स्टनिंग अवतार ने एक बार फिर से सोशल मीडिया का पारा हाई कर दिया है। नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट लुक में फ्लोरल प्रिंट कलर का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी गॉर्जियस और बोल्ड नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके स्टाइलिश अंदाज को देखकर दीवाने हो गए हैं। आखों में सनग्लासेस, ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लुक को और भी ज्यादा स्टाइलिश बनाया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं नेहा मलिक कैमरे के सामने किलर पोज देते हुए अपना फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

सैम मानेकशॉ के किरदार में खूब जमे विक्की कौशल

विक्की कौशल एक बेहतरीन अभिनेता हैं और वह अपने उम्दा अभिनय का परिचय कई दफा दे चुके हैं।पिछली बार उन्हें फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली में देखा गया। यह फिल्म भले ही नहीं चली, लेकिन विक्की अपना जादू चलाने में कामयाब रहे।बहरहाल, अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म सैम बहादुर को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। इससे पहले फिल्म का टीजर और कुछ पोस्टर सामने आए थे, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया।

ट्रेलर में फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ बने विक्की का अभिनय दमदार है, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों को उत्साह से भर दिया है।ट्रेलर देख लगता है कि भारतीय सेना की वर्दी में विक्की फिर पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं।देशभक्ति से लबरेज इस फिल्म में उनकी डायलॉग डिलिवरी भी कमाल की है, वहीं इंदिरा गांधी बनीं फातिमा सना शेख और सैम की पत्नी के रूप में सान्या मल्होत्रा की झलक भी ट्रेलर में देखने को मिली है।

फिल्म की कहानी भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना को जीत दिलाई थी। फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है।विक्की के मुताबिक, यह कहानी उस शख्स की है, जिसने देश को अपनी जिंदगी दे दी। सैम का सफरनामा पर्दे पर उतारने के लिए विक्की ने खुद पर जबरदस्त बदलाव किया है।सैम बहादुर इस साल 1 दिसंबर को फिल्म एनिमल के साथ रिलीज होगी सैम बहादुर से पहले विक्की कई फिल्मों में देशभक्ति का जज्बा भर चुके हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक में उन्होंने सेना की वर्दी पहनी थी। मेघना की फिल्म राजी में भी विक्की सेना के अफसर की भूमिका में थे।

मानकेशॉ भारतीय सैन्य अकादमी के लिए चुने जाने वाले 40 कैडेटों के पहले बैच के थे। 1971 की जंग में पाकिस्तान को हराने और नया मुल्क बांग्लादेश बनाने का पूरा श्रेय सिर्फ फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ को जाता है।मानेकशॉ के 4 दशक के सैन्य करियर में 5 युद्ध शामिल हैं। वह भारतीय सेना के पहले 5 स्टार जनरल और पहले अफसर रहे, जिन्हें फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था।

विक्की फिल्म छावा में भी नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। इसके लिए उन्होंने विदेश में खास प्रशिक्षण लिया है। विक्की ने तलवारबाजी से लेकर घुड़सवारी तक सीखी है।वह शाहरुख खान की फिल्म डंकी में भी दिखेंगे और इस फिल्म के टीजर में उनकी शानदार झलक भी दिख चुकी है।इसके अलावा विक्की की फिल्म मेरे महबूब मेरे सनम भी कतार में है। इसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

युद्ध बाद क्या करेगा ?

श्रुति व्यास

क्या गाजा का कोई भविष्य है? हमास के साथ युद्धख़त्म होने के बाद इजराइल क्या करेगा?

ये प्रश्न परस्पर विरोधीभासी होते हुए भी आपस में जुड़े हुए हैं। इजरायली सेना ने 28 अक्टूबर से जो कार्यवाही आरंभ की है उसे वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध का दूसरा चरण बताया है - गाजा पर जमीनी आक्रमण। उन्होंने आगाह किया है कि यह चरण 'लंबा और कठिन'होगा।और वे सही कह रहे हैं। पिछले तीन हफ्तों से जारी युद्ध के पहले चरण का लक्ष्य था हमास का खात्मा। इसका अर्थ है इस संगठन के सैन्य ढांचे को नष्ट करना, उसके शीर्ष नेतृत्व को मौत के घाट उतारना और उसके अधिक से अधिक मैदानी सैनिकों की जान लेना। चूंकि हमास ने बड़ी संख्या में यहूदियों की हत्या करने के लिए हमला किया था इसलिए इजरायल को अब पहले का मंजर मंजूर नहीं है जिसमें हमास की हिंसक गतिविधियों को आर्थिक मदद के लालच और हमले की धमकी के मिश्रण से काबू में रखा जाता था।

और यह बात समझी जा सकती है। हमास ने इजरायली खुफिया एजेंसियों और सेना के लिए शर्मनाक स्थिति पैदा कर दी। और जब तक हमास ताकतवर रहेगा, इसराइल सुरक्षित नहीं होगा और नाही सुरक्षित महसूस करेगा। साथ ही, जबतक हमास की मौजूदगी रहेगी तब तक शांति कायम होने की कोई संभावना नहीं है। हमास और इजराइल के बीच टकराव जारी रहेगा। यह बमबारी का शिकार बन रहे लोगों के लिए एक कटु सत्य है कि गाजा के निवासियों को भी तब तक तकलीफों का सामना करना पड़ेगा जब तक वहां हमास की तानाशाहीपूर्ण सत्ता कायम रहेगी और उसके नतीजे में इजराइल की दमघोंटु सुरक्षा व्यवस्था भी। हालांकि इजराइल के अपनी सुरक्षा करने और बमबारी करने के अधिकार को पश्चिम ने 'स्वीकार'कर लिया है, लेकिन सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि हमास के साथ चल रहे युद्ध की समाप्ति के बाद क्या होगा? उसके बाद बीबी क्या करेंगे? यह कोई नहीं बता सकता और नेतन्याहू इस बारे में जो बातें कर रहे हैं, वह कर पाना संभव है।

ऐसा बताया जाता है कि उन्होंने यूरोपीय नेताओं को इस बात के लिए राजी करने का प्रयास किया कि वे मिस्र पर शरणार्थियों को कम से कम अस्थायी रूप से वहां आने और रहने की अनुमति देने के लिए दबाव डालें। यह एक पुराना सुझाव है जो दुबारा दिया जा रहा है। एक इजरायली थिंक टैंक, जिसके प्रमुख एक पूर्व अधिकारी हैं, ने एक दस्तावेज प्रकाशित किया (बाद में उसे डिलीट कर दिया गया) जिसमें अनुशंसा की गई थी कि यह ''पूरी गाजा पट्टी को खाली करवाने का एक अनूठा और दुर्लभ अवसर है卐। ऐसा कहा जा रहा है कि इजरायली सरकार की एक अनुसंधान संस्था की एक रिपोर्ट, जो लीक हो गई, में यह सिफारिश की गई थी कि वहां के सभी 22 लाख निवासियों को बलपूर्वक स्थायी रूप से हटा दिया जाए।मिस्र ने साफ़ कर दिया है कि वह यह नहीं होने देगा और इसका एक कारण यह है कि सभी जानते हैं कि एक बार फिलिस्तीनी गाजा पट्टी छोड़ देंगे तो उसके बाद उनका वहां वापस जाना संभव नहीं होगा।

अमरीकी विदेशमंत्री एंटोनी ब्लिंकेन ने सीनेट की एक समिति को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा,卐इजराइल गाजा पर नियंत्रण रखे या वहां शासन करे यह भी संभव नहीं है, और इजराइली स्वयं शुरू से यह मानते हैं।卐 उन्होंने कांग्रेस को बताया कि वे मानते हैं कि इजराइल के हटने के बाद फिलीस्तीनी अथारिटी को और मजबूत बनाकर उसके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से गाजा का प्रशासन चलाया जाना चाहिए।लेकिन बीबी का इजराइल अब तक भविष्य की कोई योजना लागू करने या सामने लाने में असफल रहा है।

इकोनोमिस्ट को दिए एक साक्षात्कार में लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती (जिन्हें यह चिंता है कि युद्ध फैल सकता है और आर्थिक संकट से जूझ रहा उनका देश भी इसकी चपेट में आ सकता है) ने एक योजना पेश की। वे चाहते हैं कि पश्चिमी और क्षेत्रीय नेता इजराइल और फिलिस्तीन के लिए द्वि-राष्ट्र समाधान ढूंढने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन आयोजित करें।''हम इजराइल के हक को मानेंगे और फिलिस्तीनियों के हक को भी,卐 उन्होंने कहा।''यह पूरे क्षेत्र में शांति स्थापित करने का समय है।卐वे इस प्रक्रिया में ईरान की भागीदारी भी चाहते हैं।

इस बीच फिलीस्तीनी एथारिटी के प्रधानमंत्री मोहम्मद शतायेह ने गार्जियन से कहा कि वे गाजा का प्रशासन संभालने की जिम्मेदारी तबतक नहीं लेंगे जबतक वेस्ट बैंक का मुद्दा हल नहीं हो जाता। जनता में एथारिटी की राजनीतिक साख पहले से ही गिरी हुई है। बहुत से लोग न केवल उसे भ्रष्ट मानते हैं बल्कि इजराइल का सुरक्षा ठेकेदार भी कहते हैं।

लेकिन, जैसा कि ऊपर कहा गया है, बीबी को गाजा पर बमबारी करने के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं है। वे इजराइल की जनता का भरोसा खो चुके हैं और जनता का एक बहुत छोटा सा हिस्सा ही उनपर अब भी भरोसाकरता है। वे अपनी वार केबिनेट को भी ठीक से नहीं चला पा रहे हैं। केबिनेट में आपसी मतभेद हैं जिससे सेना से संबंधित फैसले लेने में दिक्कत हो रही है। इसी की वजह से आईडीएफ के सैनिकों को दो सप्ताह तक गाजा की सीमा के पास रूके रहने के बाद ही वहां प्रवेश करने का आदेश मिल सका। वे द्वि-राष्ट्र समाधान के प्रयासों में भागीदारी के लिए भी भरोसेमंद व्यक्ति नहीं है और अमेरिका को यह बात मालूम है। बीबी के पास भविष्य की कोई योजना नहीं है जिसके जरिए उन्होंने अमेरिका का समर्थन मिलता रहे और वे इजराइल और अरब देशों के कूटनीतिक संबंध स्थापित करने वाले अब्राहम समझौते को कायम रख सकें।

युद्ध उग्र रूप लेता जा रहा है, नेतान्याहू जमे हुए हैं और पश्चिम उनके साथ है। ऐसे में दुनिया का संयम कब तक बना रहता है यह देखने वाली बात होगी। इजराइल गाजा का युद्ध लडने की क्षमता रखता है और संभव है कि वह हमास को खत्म करने में भी सफल हो जाए। लेकिन इजराइल के इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में से एक में देश का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति के पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि कल और फिर परसों क्या होगा।

सू- दोकू क्र.087

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.86 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

तैयार तो होना पड़ेगा

एआई के उपयोग ने ऑटोमेशन की प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। कंप्यूटर और इंटरनेट के आगमन के साथ ऑटोमेशन प्रचलित हुआ था- अब उसका अगला चरण हमारे सामने है। अब छोटे और मध्यम आकार की कंपनियां भी ऑटोमेशन की तरफ बढ़ रही है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से उद्योग और कारोबार जगत में हलचल मचने की खबरें अब लगातार आ रही हैं। खासकर ऐसा विकसित अर्थव्यवस्थाओं में हो रहा है। एआई के उपयोग ने ऑटोमेशन की प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। कंप्यूटर और इंटरनेट के आगमन के साथ ऑटोमेशन प्रचलित हुआ था- अब उसका अगला चरण हमारे सामने है। अब छोटे और मध्यम आकार की कंपनियां भी ऑटोमेशन की तरफ बढ़ रही है। नतीजतन, कामगारों की संख्या लगातार घटती जा रही है। जर्मनी में जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक करीब 17 लाख लोगों के रिटायर होने के बाद उनकी जगहों को इनसान से नहीं भरा जा जाएगा। मानव संसाधन प्रबंधन सेवा मुहैया कराने वाली एक यूरोपीय कंपनी के मुताबिक रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ऑटोमेशन की उन्नत तकनीकों का असर बहुत ज्यादा होगा। लंबे समय में ये तकनीकें कामकाजी दुनिया में गेम चेंजर साबित होंगी। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के मुताबिक कंपनियों के कामकाज में रोबोट्स के इस्तेमाल में 2018 के बाद से औसतन चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

विशेषज्ञों के मुताबिक बढ़ता ऑटोमेशन यह दिखाता है कि रोबोट्स का इस्तेमाल आसान हो गया है। इनकी प्रोग्रामिंग में अब खास हुनर की जरूरत नहीं पड़ती। ज्यादार रोबोड्स ऐसे इंटरफेस के साथ आ रहे हैं, जिनमें स्मार्टफोन जैसे टचस्क्रीन हैं। इनसे बेशक कंपनियों में कामकाज आसान हुआ है। लेकिन रोजगार के मोर्चे पर चुनौती बढ़ रही है। तजुर्बा यह है कि हर तकनीक अपने साथ नई संस्कृति लेकर आती है। उससे कुछ रोजगार विलुप्त होते हैं, तो कुछ नए रोजगार पैदा भी होते हैं। मगर एआई संचालित ऑटोमेशन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके इस्तेमाल से कितने नए अवसर पैदा होंगे, कहना कठिन है। ऑटोमेशन के पिछले दौर में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर घटे थे। बहरहाल, यह मुद्दा रोने का नहीं है। इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि प्रगति और आविष्कारों को रोका नहीं जा सकता है। इसलिए चुनौती यह है कि समाज और सरकारें नई बन रही कार्य संस्कृति के मुताबिक योजनाएं अभी से बनाएं। जो ऐसा करने में चूकेगा, आने वाले युग में उसकी मुसीबत बढ़ जाएगी।(आरएनएस)

तृणमूल, राजद जानी दुश्मन

हरिशंकर व्यास

भाजपा के लिए प्रादेशिक पार्टियों की भी दो श्रेणियां हैं। पहली श्रेणी में तृणमूल और राजद हैं, जिनको हरा कर भाजपा ताकतवर हो सकती है और दूसरी श्रेणी में डीएमके है, जिसको भाजपा अभी हरा नहीं सकती है। इसलिए डीएमके नेताओं पर कार्रवाई की रफ्तार धीमी है और तृणमूल व राजद के नेताओं पर अंधाधुंध कार्रवाई हो रही है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल में पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीती थीं और उसे 41 फीसदी के करीब वोट मिले थे। राज्य में हिंदू आबादी 70 फीसदी है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदुओं का 60 फीसदी वोट भाजपा को मिला था। अगर इस वोट में जरा सा भी इजाफा होगा तो भाजपा पहले से ज्यादा सीट जीत सकती है। तभी केंद्र सरकार की सबसे बड़ी कार्रवाई पश्चिम बंगाल में हो रही है। शिक्षक भर्ती घोटाला, कोयला तस्करी, चिटफंट घोटाला या ऐसे किसी भी मामले में ममता सरकार के मंत्रियों और नेताओं को पकड़ कर जेल में डाला जा रहा है।

दो साल पहले मदन मित्रा, फिरहाद हाकिम, शोभन चटर्जी और सुब्रत मुखर्जी जैसे बड़े नेता गिरफ्तार हुए थे। हालांकि उनको जल्दी ही जमानत मिल गई थी। लेकिन ममता सरकार के मंत्री रहे पार्था चटर्जी अभी जेल में बंद हैं और इस बीच एक दूसरे मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को भी ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। ममता की पार्टी के कद्दावर नेता अणुब्रत मंडल भी जेल में बंद हैं। ममता के भतीजे और पार्टी के सांसद अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रूजिका बनर्जी व उनके रिश्तेदारों से केंद्रीय एजेंसियों की पूछताछ लगातार चल रही है और कभी भी उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। ममता के कई और मंत्रियों पर भी छापे पड़े हैं। उनकी पार्टी को आने वाले दिनों में राहत नहीं मिलेगी। एक तरफ भाजपा ममता के परिजनों और उनकी पार्टी के नेताओं के यहां कार्रवाई करके राज्य सरकार के भ्रष्ट होने का मैसेज बनवा रही है तो दूसरी ओर मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप भी लगा रही है। तुष्टिकरण के आरोपों से राजनीतिक फायदा होगा लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से पार्टी कमजोर होगी और चुनाव लडने की उसकी सामर्थ्य घटती जाएगी।

इसी तरह बिहार में पुरानी सहयोगी जनता दल यू के मुकाबले राष्ट्रीय जनता दल के ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की ज्यादा कार्रवाई हो रही है। इसके दो मकसद हैं। पहला तो लालू प्रसाद के परिवार और पार्टी को भ्रष्ट साबित करके नीतीश कुमार पर दबाव बनाना कि वे चुनाव से पहले राजद से पल्ला झाड़ें। हालांकि इसकी संभावना कम दिख रही है। दूसरा मकसद लालू प्रसाद के पूरे परिवार को केंद्रीय एजेंसियों और कानूनी कार्रवाई के पचड़े में फंसा कर उनकी चुनावी तैयारियों को पंक्चर करना है। अगर कार्रवाई इसी तरह चलती रहती है तो राजद के पास संसाधन की कमी होगी और तैयारियां प्रभावित होंगी। भाजपा को इसका फायदा मिल सकता है। बिहार में भाजपा 2014 का करिश्मा दोहराने की उम्मीद कर रही है। हालांकि तब नीतीश अलग लड़े थे।

डीएमके नेता एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन और पार्टी के सांसद ए राजा ने सनातन धर्म पर तीखी टिप्पणी की, जिसकी भाजपा के सभी बड़े नेताओं ने आलोचना की।

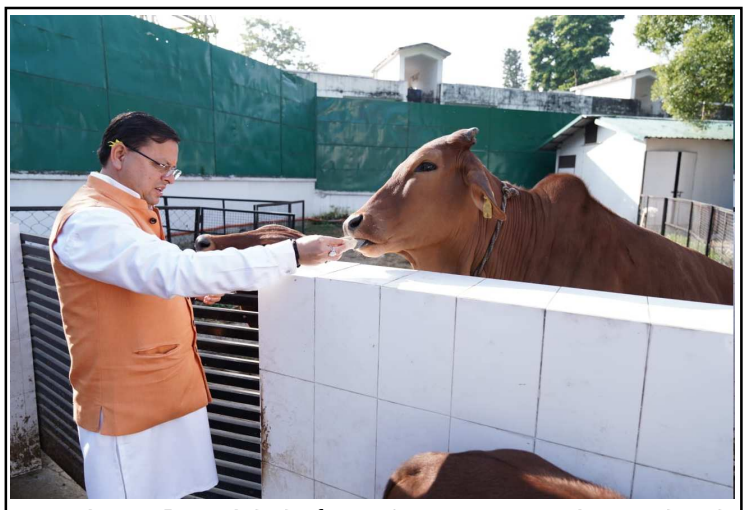

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में गायों की पूजा की। पूजा के दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

सिलक्यारा में टनल में भूस्खलन के कारणों की जांच शुरू

संवाददाता

देहरादून। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में टनल में हुए भूस्खलान के कारणों की जांच के लिए गठित समिति ने अपना कार्य शुरू कर दिया है।

आज यहां शासन के द्वारा सिलक्यारा सुरंग में हुए भूस्खलन के अध्ययन एवं कारणों की जांच के लिए निदेशक उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र की अध्यक्षता में गठित समिति में शामिल विशेषज्ञों ने स्थल का निरीक्षण कर जांच की कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच समिति में शामिल विशेषज्ञों का यह दल बीते दिन ही घटनास्थल पर पहुँच गया था। दल के द्वारा सुरंग एवं इसके ऊपर की पहाड़ी का सर्वेक्षण किया जा रहा है। विशेषज्ञों के इस दल यूएसडीएमए देहरादून के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार, वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालय जियोलॉजी के वैज्ञानिक डॉ. खइंग शिंग ल्युई, जीएसआई के वैज्ञानिक सुनील कुमार यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक सीबीआरआई रुड़की कौशिल पंडित, उपनिदेशक भूतत्व एवं खनिजकर्म विभाग जी.डी प्रसाद और भूवैज्ञानिक यूएसडीएमए देहरादून तनड्रिला सरकार शामिल हैं।

रेस्क्यू के बढ़ते समय ने बढ़ाई चिंता...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आपदा सचिव रंजीत सिंह ने भले ही देर रात से इस काम को शुरू होने की बात कही गई हो लेकिन हरिद्वार से हयूम पाइप पहुचने और ड्रिलिंग सिस्टम से उन्हें अंदर पहुंचाने का यह काम आज सुबह शुरू किया गया है। क्योंकि इसके लिए रेल ट्रैक की तरह लाइन बिछाने व पाइपों को वेल्डिंग के जरिए जोड़ने और फिर मलवे में ड्रिलिंग जैसे लंबे प्रोसीजर से गुजरना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर सब कुछ ठीक-ठाक चला रहा तो 1 घंटे में 1 मीटर पाइप ड्रिल हो पाता है। सुरंग के अंदर 40 से 50 मीटर के हिस्से में मलवा भरे होने की जानकारी सामने आई है ऐसे में इस ऑपरेशन को पूरा करने में अभी कम से कम आज का पूरा दिन व आने वाली रात व अगला पूरा दिन व रात का समय लग सकता है। ऐसी स्थिति में सुरंग में फंसे मजदूरों की जान की सुरक्षा भी एक बड़ा सवाल बनी हुई है। हालांकि अभी तक सभी के सुरक्षित होने की बात कही जा रही है उनके पास जरूरत का हर सामान भी पहुंच रहा है लेकिन समय बढ़ने के साथ उनकी सुरक्षा की चिंता भी बढ़ना स्वाभाविक है।

भले ही मौके पर राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा सहायता के लिए जरूरी हर इंतजाम किया जा रहा है तथा युद्ध स्तर पर बचाव व राहत कार्य जारी है लेकिन जिस तरह की स्थितियां है उसमें इन श्रमिकों के परिजनों की चिंता और बेचैनी का बढ़ना भी लाजमी है। मुख्यमंत्री खुद इस ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए हैं और पल-पल की जानकारी ले रहे हैं उनकी प्रधानमंत्री मोदी से भी कई दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन जब तक ऑपरेशन सिलक्यारा पूरा नहीं हो जाता इसके बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता है मुख्यमंत्री धामी भी बार-बार यह कह रहे हैं कि उनकी पहली प्राथमिकता सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने की है।

भारत अंन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेलाः उत्तराखण्ड पैवेलियन में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को किया गया फोकस

संवाददाता

नई दिल्ली। 42वें भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में उत्तराखण्ड पैवेलियन में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को फोकस किया गया।

आज यहां प्रगति मैदान में चल रहे भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में उत्तराखण्ड पैवेलियन हॉल नम्बर पांच पर प्रतिभाग किया जा रहा है। उत्तराखण्ड पैवेलियन के निदेशक प्रदीप नेगी ने बताया कि राज्य के पैवेलियन में कुल 36 स्टॉल लगे जिसमें जनपद हरिद्वार, देहरादून, पौडी गढवाल, चम्पावत, नैनीताल, अल्मोडा, उत्तरकाशी, चमोली एवं टिहरी के शिल्पियों द्वारा उत्पादित उत्पादों के विपणन हेतु स्टॉल लगाये गये हैं। पैवेलियन में सरकारी विभागो की ओर से पर्यटन, खादी बोर्ड एवं औद्योगिक बोर्ड द्वारा प्रतिभाग किया गया है तथा उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्ताशिल्प विकास परिषद

के अधीन हिमाद्रि का भी स्टॉल लगा है। पैवेलियन में उत्तराखण्ड राज्य में माह दिसम्बर में प्रस्तावित उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 पर भी फोकस किया गया है। उत्तराखण्ड पैवेलियन में अल्मोडा की प्रसिद्ध बाल मिठाई, चम्पावत लोहाघाट की लोहे की कढाई, हरिद्वार की लोही शॉल, चम्पावत के उलन के कपडे, ऋषिकेश के स्टोन एवं उत्तराखण्ड की दाले मुख्यम आर्कषण का केन्द्र बनी हुई है। इस वर्ष भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले की थीम 'वसुध ैव कुटुंबकम' है। मेले में फोकस राज्यो में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और झारखंड व पार्टनर राज्यों में बिहार और केरल के रूप में प्रतिभा कर रहा है।

25 लीटर कच्ची शराब सहित पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब तस्करी में लिप्त पांच लोगों को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 25 लीटर कच्ची शराब व तस्करी में प्रयुक्त बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

मामला लक्सर कोतवाली क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार कल देर शाम एक सूचना के बाद लक्सर कोतवाली पुलिस द्वारा अलग अलग स्थानों पर छापेमारी की गयी। जिसके फलस्वरुप पुलिस टीमों द्वारा पांच आरोपियों को 25 लीटर कच्ची शराब व तस्करी में प्रयुक्त बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है। पुलिस ने उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

अवैध हथियार सहित गैंगस्टर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। वारदात की फिराक में घूम रहे एक गैंगस्टर को पुलिस ने धारदार चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना पुलभट्टा पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान एक सूचना के बाद पुलिस ने थाना गेट के पास से मारुफ रजा पुत्र शरीफ अहमद निवासी मैडम के गोदाम के पास वार्ड न. 19 सिरौलीकला थाना पुलभट्टा जनपद उध म सिह नगर उम्र 22 वर्ष को मय 1 अदद नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ मे पकडे गये मारूफ रजा ने बताया कि मै नशा करने का आदी हूँ, अपने नशे की पूर्ति के लिए पुलभट्टा,किच्छा क्षेत्र मे कई घरो मे चोरी करने की बात कबूली तथा लोगो को डराने के लिए अपने पास चाकू रखता हूँ। आरोपी मारूफ रजा के विरूद्ध थाना पुलभट्टा मे पूर्व मे कई अभियोग दर्ज है। बहरहाल पुलिस उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

36 लाख के सरकारी धन के गबन का आरोपी पोस्टमास्टर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। वभिन्न डाकघरों में उपपोस्टमास्टर व डाक सहायक के पद पर नियुक्ति के दौरान 36 लाख रूपये के सरकारी धन के गबन के आरोपी को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पुलिस की ओर से ढाई हजार का ईनाम भी घोषित किया गया था।

अजय कुमार निरीक्षक डाकघर उपमंडल गोपेश्वर जनपद चमोली ने कोतवाली जोशीमठ में बाद विभागीय जॉच लिखित तहरीर दी कि रविरंजन पुत्र रणजीत प्रसाद निवासी सोहसराय जिला नालन्दा बिहार जो कि 2011 से 2020 तक चमोली मण्डल के विभिन्न डाकघरों में उपपोस्टमास्टर/डाक सहायक के पद पर नियुक्त रहा व वर्ष 2020 में स्थानांतरण के पश्चात डाक मण्डल बिहार गया के लिए रिलीव हो गया। जनपद चमोली में अपनी कार्यअवधि के दौरान विभिन्न डाकघरों में नियुक्त रहते हुए आरोपी द्वारा डाकघर में जमा होने वाली पीएलआई

धारकों की पीएलआई किस्तें अपने डाक विभाग के सॉफ्टवेयर मैककेमिश का दुरप्रयोग कर उक्त पीएलआई की रकम जिसमें 16 लाख रूपये डाकघर सुनील व डाकघर जोशीमठ के तथा 20 लाख रुपए डाकघर फतेहपुर जनपद गया बिहार के कुल 36 लाख रुपए लगभग डाकघर के कोष में जमा न करने एवं सरकारी धन के गबन करने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले में पुलिस ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि 25 नवम्बर 2021 को फतेहपुर डाकघर से उक्त आपराधिक कृत्य के लिए आरोपी को निर्लंबित किया गया था, जिसके पश्चात आरोपी द्वारा विभागीय जाँच में सहयोग न करने एवं अपने पते व मोबाइल नम्बर बदलकर बिहार, पटना, गया, नालंदा एवं अन्य विभिन्न स्थानों में ठिकाने बदलकर रह रहा है। आरोपी के लगातार पते व मोबाइल नंबर बदलने व गिरफ्तारी से बचने के कारण पुलिस अधीक्षक चमोली द्वारा गिरफ्तारी उसकी गिरफ्तारी हेतू ढाई हजार के ईनाम की भी घोषित किया गया था। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी जनपद नांलदा में छुपा हुआ है। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बीती 7 नवम्बर को आरोपी को सोसराय जिला नालंदा गिरफ्तार कर लिया गया। जहाँ आरोपी संतोष कुमार पुत्र शिवप्रशाद के नाम से अपनी पहचान छुपा कर रह रहा था।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय मुख्य दण्डाधिकारी नालंदा के समक्ष प्रस्तुत कर 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड के प्राप्त कर बीते रोज न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट गोपेश्वर के समक्ष पेश किया गया। जिसे न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार चमोली भेज दिया गया है।

एक नजर

इंस्पेक्टर की पत्नी ने कहा पति घर पर कॉल गर्ल लाते थे !

लखनऊ । लखनऊ के कृष्णा नगर इलाके में दीपावली की देर रात पीएसी के क्वार्टर में इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। इस बीच पति की हत्या को लेकर इंस्पेक्टर की पत्नी भावना सिंह ने बेहद चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। भावना सिंह के मुताबिक इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह घर पर कॉल गर्ल को लेकर आते थे। जिसकी जानकारी पूरे परिवार को थी, लेकिन जब भी वह सतीश के गंदे कारनामों का विरोध करती, तब उन्हें डरा धमकाकर चुप करा दिया जाता था। इसी साल जनवरी में भी एक लड़की को लेकर वह घर आए थे। भावना ने जब लड़की के साथ सतीश को पकड़ा तो वह लड़की घर से भाग गई। मृतक इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह की पत्नी भावना सिंह ने बताया कि आए दिन कॉल गर्ल और उनके रंगीन आशिक मिजाज के कारण घर में झगड़े होते रहते थे। उनके ससुर का श्रृंगार नगर इलाके में एक मकान है, जिसमें कई लड़कियां किराए पर रहती हैं। सतीश उन लड़कियों को मानस नगर वाले घर पर लेकर आते थे, जिसकी वजह से आए दिन झगड़ा होता था। इसके अलावा और किसी से रंजिश नहीं है। भावना सिंह ने किराए पर रहने वाली लड़कियों की ओर इशारा करते हुए हत्या करने की आशंका जताई है।

ओबेरॉय समूह के संरक्षक-मुखिया पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय का निधन

नई दिल्ली। भारत के होटल इंडस्ट्रीज की सूरत बदलने वाले ओबेरॉय ग्रुप के संरक्षक-मुखिया पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय का मंगलवार सुबह निधन हो गया। पीआरएस ओबेरॉय 94 वर्ष के थे। ओबेरॉय समूह के एक प्रवक्ता ये जानकारी दी है। दिग्गज होटल व्यवसायी के बेटे विक्रम और अर्जुन ओबेरॉय ने एक बयान में कहा, अत्यंत दुख के साथ हम आपको हमारे प्रिय नेता श्री पीआरएस के शांतिपूर्ण निधन के बारे में सूचित करना चाहते हैं। उनका निधन ओबेरॉय समूह और भारत और विदेशों में आतिथ्य उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षति है। परिवार ने कहा है कि, पीआरएस ओबेरॉय एक दूरदर्शी थे जिनके अटूट समर्पण और उत्कृष्टता के प्रति जुनून ने ओबेरॉय समूह और हमारे होटलों को विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ में पहचान दिलाई। उनकी विरासत हमारे संगठन से कहीं आगे तक फैली हुई है, जिसने भारत और दुनिया भर में आतिथ्य परिदृश्य को प्रभावित किया है। 1929 में नई दिल्ली में जन्मे पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय या पीआरएस ओबेरॉय ओबेरॉय समूह की प्रमुख कंपनी ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष थे।

इजराइली सेना का दावा, हमास ने अस्पतालों में भर रखे हैं बंधक!

नई दिल्ली। इजराइली सेना ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया है, कि हमास के आतंकियों ने गाजा पट्टी के अस्पतालों में बंधकों और भारी मात्रा में हथियारों को भर रखा है। इजराइली सेना ने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दावा किया गया है, कि अल-रंतीसी अस्पताल में हमास ने बंधकों को, हथियारों को भर रखा है। इजराइली रक्षा बलों ने गाजा के अल-रंतीसी अस्पताल का एक वीडियो और तस्वीरें साझा करते हुए दावा किया है कि बच्चों के अस्पताल के तहखाने का इस्तेमाल बंधकों को रखने और हथियार रखने के लिए किया गया है। आईडीएफ ने दावा किया है, कि हमास ने इस पूरे क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया और इस अस्पताल से इजरायलियों के खिलाफ अपना युद्ध चलाया है। आईडीएफ के प्रवक्ता, रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा, कि इजरायली बलों को ष्ग्रेनेड, आत्मघाती जैकेट और अन्य विस्फोटकों सहित हथियारों के भंडार के साथ एक कमांड सेंटर मिला है। उन्होंने दावा किया, कि ये हथियार हमास के आतंकवादियों ने अस्पताल के तहखाने में जमा कर रखे थे, जहां युद्ध से पहले बच्चों और कैंसर रोगियों की देखभाल की जाती थी। उन्होंने कहा, कि हमें ऐसे संकेत भी मिले हैं, जो बताते हैं कि हमास ने यहां बंधकों को रखा हुआ है, यह फिलहाल हमारी जांच के अधीन है। लेकिन हमारे पास ऐसी खुफिया जानकारी भी है जो इसकी पुष्टि करती है। आईडीएफ फुटेज से बता चलता है, कि अस्पताल में एक खुफिया कैदखाना बनाया गया था, जहां लोगों को रखा गया है।

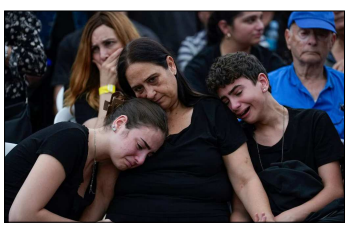

सीएम ने किया 71वें राजकीय औद्योगिक विकास गौचर मेले का उद्घाटन

संवाददाता

चमोली। विश्व प्रसिद्ध सात दिवसीय 71वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुभारम्भ करते हुए कहा कि मेले हमारी लोक संस्कृति और सामाजिक सरोकार को बनाएं रखने के आधार हैं।

आज से प्रारम्भ हो रहे विश्व प्रसिद्ध सात दिवसीय 71वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा शुभारम्भ किया गया। जनपद आगमन पर गौचर हवाई पट्टी में मौजूद जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना एवं पुलिस अधीक्षक चमोली, रेखा यादव (आईपीएस) द्वारा उनकी अगवाई की गयी। तत्पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा सैरिमोनियल ड्रेस से सजे चमोली पुलिस के जवानों का मान प्रणाम ग्रहण किया गया।

ऐतिहासिक गौचर मेला मैदान पहुँचने के उपरान्त सर्वप्रथम मुख्यमंत्री द्वारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पडित जवाहर लाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर याद किया गया। तदोपरान्त जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गौचर मेला उत्तराखंड की विशिष्ट

एवं बहुआयामी संस्कृति को प्रदर्शित करता है। मेले हमारी लोक संस्कृति और

❑मेले हमारी लोक संस्कृति व सामाजिक सरोकार को बनाये रखने का आधार हैं:धामी

सामाजिक सरोकार को बनाए रखने के आधार हैं। हमें अपने पूर्वजों से विरासत में मिले लोकपर्व की इस परंपरा को अगली पीढ़ियों तक बढ़ाने की जरूरत है। सात दिवसीय गौचर मेले में उच्च स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जायेगा। गौचर मेला अपने ऐतिहासिक व्यापार मेले के रूप में जाना जाता है। गढ़वाल के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर के सुझाव पर माह नवंबर, 1943 में प्रथम बार गौचर में व्यापारिक मेले का आयोजन शुरू हुआ तथा बाद में धीरे-धीरे इसने औद्योगिक विकास मेले एवं सांस्कृतिक मेले का स्वरूप धारण कर लिया। यह मेला संस्कृति, बाजार तथा उद्योग तीनों के समन्वय के कारण उत्तराखंड व विश्व में प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय है।

मां की डांट से नाराज होकर घर से गई नाबालिक सकुशल बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मां की डांट से नाराज होकर घर से गयी एक नाबालिग को पुलिस ने बरामद कर उसे उसके परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 11 नवम्बर को अलका पत्नी अनुज निवासी केशव नगर सोसायटी रोड द्वारा कोतवाली लक्सर पर सूचना दी की उनकी नाबालिग बेटी उम्र 14 वर्ष को घर पर छोड़कर बाजार गई थी, जब वापस आई तो उनकी बेटी घर पर मौजूद नहीं मिली, काफी खोजने के बाद भी नहीं मिल रही है। जिस संबंध में कोतवाली लस्कर पर मुकदमा दर्ज किया गया। नाबालिक की बरामदगी हेतु पुलिस टीम द्वारा डीसीआरबी व अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के मध्यम से प्रसार प्रचार किया तथा थाना स्तर पर गुमशुदा की तलाश हेतु सुरागरसी पतारसी कर आस-पास के लोगों से जानकारी जुटाकर सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसके परिणाम स्वरूप बीती शाम को पुलिस टीम द्वारा उक्त नाबालिग बालिका को रायवाला बाजार से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपर्द किया गया।

दीपावली के राकेट से मकान में लगी आग, लाखों का सामान स्वाह

हमारे संवाददाता

नैनीताल। दिवाली के रॉकेट से आग लगने से देर रात एक 3 मंजिला घर जलकर खाक हो गया, आग इतनी भयावह थी कि इस अग्निकांड से आसपास के लोग सहम गए। गनीमत रही कि जिस वक्त आग लगी उस वक्त इस तीन मंजिला मकान में कोई मौजूद नहीं था, इस आग को बुझाने में फायर ब्रिगेड को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस भीषण आग से लाखों का सामान स्वाह हो गया है।

आग लगने की यह घटना नैनीताल के मल्ली ताल क्षेत्रांर्तगत बेकरी कंपाउंड की है। रात लगभग 12.30 बजे दीपावली के एक रॉकेट इस तीन मंजिला इमारत में जा घुसा, जिस कारण इस तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह मकान रामकिशोर बेदी का है, जिसे वह गोदाम के रूप में इस्तेमाल करते है। इसलिए रात में इस मकान में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। आग को देखकर पड़ोस के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया, इसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची, रास्ता संकरा होने के

कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को काफी परेशानी हुई, विभिन्न जगहों पर आग बुझाने के लिए लगाए गए पाइपों में भी पानी नहीं था, इससे परेशानी और भी बढ़ गई और आग काफी भीषण हो गई। जिस कारण पड़ोस में रहने वाले लोगों और उनके मकानों को भी खतरा उत्पन्न हो गया। हालांकि किसी तरह फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, इससे आग लगे मकान से बाकी मकान तक आग नहीं फैल पाई और लोगों ने राहत के सांस ली। इस आग से लाखों का सामान जलने की बात कही जा रही है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आंगनवाडी केन्द्र लक्ष्मीपुर निवासी प्रेमसिंह ने प्रेमनगर थाने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल अपने घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।